P-1108

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. कर्मकाण्ड को परिभाषित करते हुए उसके महत्त्व को विस्तारपूर्वक लिखिए।

2. पञ्च महायज्ञ का परिचय देते हुए विस्तार से व्याख्या कीजिए।

अथवा

प्रात:कालीन नित्य कर्म विधि विस्तार से बताते हुए उसके महत्त्व का उल्लेख कीजिए।

3. वेदों का विस्तृत परिचय दीजिए।

4. कर्मकाण्ड में पञ्चांग का क्या महत्त्व है व्याख्या कीजिए।

5. जातकर्म संस्कार का परिचय एवं महत्त्व को विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

अन्नप्राशन संस्कार का परिचय एवं महत्त्व को बताएं।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. त्रिकाल संध्या के महत्त्व पर टिप्पणी लिखिए।

2. सम्पूर्ण वैदिक धर्म कितने कांडों में विभक्त है विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. भारतीय संस्कृति में दानशीलता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. भारतीय संस्कृति में शिखा महत्त्व क्या है?

अथवा

भारतीय संस्कृति में प्रतीकवाद व मूर्तिपूजा के महत्त्व को परिभाषित कीजिए।

5. देवपूजन विधान से आप क्या समझते हैं उसका वर्णन कीजिए।

6. नित्य कर्म के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

7. सोलह संस्कारों का परिचय दीजिए।

अथवा

नवग्रहों के मन्त्र लिखिए।

8. चूड़ाकरण संस्कार का परिचय दीजिए।